BA-I (H)
मैथिली प्रतिष्ठा
पेपर - 2
कथा एवं उपन्यास

प्रो० रंजीत कुमार राम
(अतिथि सहायक प्राध्यापक)
मैथिली विभाग
V.S.J. College, Rajnagar
Madhubani (LNMU)

पृथ्वीपुत्र उपन्यासमे कथानक (Lec-1) :- उपन्यासक कथा एवं कथावस्तु मे अंतर होइत अछि। कथाक अन्तर्गत जाहि घटनावलीक वर्णन कएल जाइत अछि ओ सब कथा वस्तु नहि होइछ। ओहि मे सँ आवश्यक अंग कें रचनाकार जाहि कथानकक निर्माण करैत छथि ओ कथावस्तुक आधार होइतहु ओहि सँ भिन्न होइछ। उपन्यासक कथानक समयानुक्रमक उपेक्षा नहि कए सकैछ। किन्तु ओकर नियोजन विभिन्न रूपें कए सकैछ। उपन्यासकार समयक धारा बिन्दु पर घटना प्रवाह कें रोकि दैत छथि एवं ओहि कारणक रहस्योद्घाटन मे लागि जाइत छथि जाहि कारणें ओ घटना सम्भव होइत अछि।

कथानक सुसंगठित रूप उपन्यास कें आकर्षक बनबैत अछि। कथानक निर्माणक लेल एहन कथावस्तुक चयन कएल जाइत अछि जे सब वर्गक लोकक हेतु मनोरंजक होइत अछि। उपन्यासक कथानक वास्तविकता सँ अनुप्राणित होइत अछि। सामाजिक उपन्यास (चाहे घटना प्रधान होअओ वा चरित्र प्रधान) अत्यन्त व्यापक अछि। ओना तs उपन्यास कलात्मक संबंध मानव जीवन सँ छैक किन्तु उपन्यास कला जीवनक विशेष निकटवर्ती अछि। सामाजिक उपन्यासक क्षेत्र सेहो विस्तृत अछि।

कथानकक आधार पर ई ललितक पृथ्वीपुत्रक मैथिलीक साहित्यक सशक्त उपन्यास कहल जाइ सकैत अछि। तत्कालीन समाज जमीन्दार लोकनिक शोषण, आतंक, मनमौजी, धनक वर्चस्व जाति भेद, वर्ग भेद, गरीब महिलाक प्रति अत्याचार आदि एहि सँ समाज ग्रस्त छल। एहि सभ समस्या कें तत्कालीन साहित्यकार लोकनि अपन - अपन रचनाक मे कथानकक निर्माण कयलनि। एहि मे प्रमुख अछि ललितक पृथ्वीपुत्र। एहि उपन्यास सभ मे शोषित वर्गक चित्रण कएल गेल अछि। पृथ्वीपुत्र उपन्यास मे सामाजिक परिवर्तनक स्वर आकार आदिक मुखरित भेल अछि। कलकथा - सँगा कलकू एवं बिजलीक प्रेमालापक प्रसंग कें जोड़ि उपन्यासकार एकर कथानक के अधिक प्रभावोत्पा- दक बनाए देल अछि। प्रत्येक पात्रक चित्रण स्वाभाविक रीतिएँ भेल अछि।

एकर कथानक ग्रामीण परिवेश मण्डल पर आधारित अछि।

क्रमशः

Sanjit Kumar Ram
08/04/21